11/2/23 पत्रावली लोक अदालत के दिवस प्रस्तुत हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। बहस सुनी गई। पत्रावली, पत्रावली पर उपस्थित दस्तावेज व न्याय के सुसंगत प्रावधानों का अवलोकन किया जाकर बाहस पर मनन किया गया। इसके उपरांत प्रा.पत्र अंतर्गत धारा 136, भू. राज. अधि., 1956 साबित होने पर स्वीकार किया जाता है। यह निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। विस्तृत निर्णय पृथक से टंकित करवाया जाकर शा.मि. किया गया। इस हेतु तहसीलदार, वि. रेनवाल को तहरीर जारी हो। पत्रावली फैसला शुमार होकर दर्ज नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

11/2/23

Signature Not Verified

Digitally signed by Jayant Kumar
Date: 2023.09.26 12:03:22 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
सांभर लेक

Scanned with OKEN Scanner